म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

कहानी सुनाना

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K./10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्व होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, बी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुॅंच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE05v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई का उद्देश्य कहानी सुनाना के लिए अंग्रेज़ी भाषा का उपयोग करने में आपके कौशल को विकसित करना है।

कहानी सुनाना एक शक्तिशाली शिक्षण विधि हो सकती है क्योंकि एक शिक्षक के रूप में आप अपने बच्चों के साथ सीधा संवाद करते हैं। कथाओं और कहानी सुनाना के लिए केवल एक ही संसाधन की आवश्यकता होती है जो आप हैं।

कहानी सुनाना के द्वारा आप खुले सवाल कर सकते हैं, जैसे 'आपके अनुसार आगे क्या हुआ होगा?' और 'आपको क्यों लगता है कि वह ऐसा करता है?', इससे विद्यार्थियों को सोचने, याद करने, प्रतिबिंबित करने, कल्पना करने और प्रतिक्रिया देने का प्रोत्साहन मिलता है। ये सभी उनके भाषा–संबंधी कौशल का विकास करते हैं। अनुभवी शिक्षक यह जानते हैं कि बच्चे जब भाषा को किसी कहानी के रूप में सुनते हैं, तो उन्हें यह बहुत अच्छी तरह याद रहती है और वे इसका उपयोग करने की कोशिश भी करते हैं।

कक्षा में नियमित रूप से कहानियाँ कहना और पढ़कर सुनाना एक अच्छा अभ्यास है क्योंकि इससे सीखने का अवसर भी मिलता है और यह मज़ेदार अनुभव अवसर भी होता है। हम भाग्यशाली हैं कि भारत में लोककथाओं और परंपराओं के माध्यम से हमारे पास बहुत सारी कहानियाँ उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग शिक्षक भाषा के शिक्षण को आगे बढाने के लिए कर सकते हैं। जब आप कक्षा में कहानियाँ सुनाते हैं, तो इसमें खासतौर पर विद्यालय के शुरूआती वर्षों में अंग्रेज़ी और स्थानीय भाषाओं का मिश्रण स्वाभाविक एवं अपेक्षित है।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- कहानी सुनाने के लिए द्विभाषी पद्धतियों का उपयोग करना।
- अपने विद्यार्थियों के उपयोग के लिए अंग्रेज़ी कहानियों का चयन करना।
- अंग्रेज़ी में कहानी सुनाने का अभ्यास करना।

1 नए शब्द सीखना

अपने लिए एक गतिविधि में दो भाषाओं में कहानी पढ़ने के साथ शुरुआत करें।

गतिविधि 1: नए शब्द सीखना

नीचे दी गई लघु कथा पढ़ें।

एक व्यक्ति बहुत परेशान दिखाई दे रहा था। यह आदमी **आंद्रास** अपने घर के पीछे बने **किपो** ('किपो' एक उद्यान होता है) में कुछ ढूँढने गया। **आंद्रास** अपने हाथों और घुटनों के बल बैठ गया और **ट्राइयांडाफिला**, गुलाब, के नीचे खुदाई करने लगा।

अब **आंद्रा** की पत्नी, उसकी **यिनेका**, घर में ऊपर थी। उसकी **यिनेका** ने बेडरूम की **पैराथिरो** से बाहर देखा और पाया कि उसका **आंद्रा** **ट्राइयांडाफिला** के नीचे कुछ ढूँढ रहा है।

उसने पूछा कि वह क्या कर रहा है। 'मैं घर की चाबियाँ ढूँढ रहा हूँ', उसके **आंद्रास** ने ऊँची आवाज़ में बताया।

'क्या तुम्हारे घर की **क्लिडिया** यहाँ **किपो** में, **ट्राइयांडाफिला** के नीचे खो गई थीं?'

'नहीं,' उसके **आंद्रास** ने कहा। 'मेरी **क्लिडिया** यहाँ **ट्राइयांडाफिला** के नीचे नहीं खोई थीं, लेकिन यहाँ रौशनी बहुत बेहतर है!

विचार कीजिए

- इस उदाहरण में, ग्रीक शब्दों को अलग अलग तरीकों से समझाया गया है – वे अलग अलग तरीके कौन–से हैं?
- आपने उन शब्दों का अर्थ कैसे समझा, जो इस कहानी में स्पष्ट नहीं किए गए हैं: 'पैराथिरो' और 'क्लिडिया'?
- जब आप यह कहानी पढ़ रहे थे, तो आप ग्रीक भाषा के कुछ नए शब्द सीख रहे थे: 'आदमी', 'उद्यान', 'गुलाब' और 'पत्नी। आपको शायद ग्रीक शब्दों के अर्थ समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई, हालांकि आपने शायद पहले कभी भी इस भाषा का उपयोग नहीं किया होगा, लेकिन लगभग सभी शब्द संक्षेप में स्पष्ट कर दिए गए और तुरंत ही एक सरल और मनोरंजक कहानी के माध्यम से परिचित सन्दर्भ में उनका उपयोग किया गया।
- इसी तरह आप किसी भी भाषा की कहानी के माध्यम से अंग्रेज़ी भाषा के शब्द और वाक्यांश प्रस्तुत करके छात्रों को अंग्रेज़ी सिखा सकते हैं।

गतिविधि 2: नए अंग्रेज़ी भाषा के शब्द सीखना

एक बहुत छोटी कहानी या कविता लीजिए, जिसे आप और आपके बच्चे हिंदी में अच्छी तरह जानते हैं। इस कहानी या कविता में प्रस्तुत करने लायक कुछ अंग्रेज़ी भाषा के शब्द चुनें।

यह तय करें कि आप इन अंग्रेज़ी शब्दों को कैसे प्रस्तुत करेंगे। क्या आप उनका अनुवाद करेंगे, या उन्हें किसी और तरीके से समझाएँगे?

अंग्रेज़ी शब्दों को पहचानने और सीखने में विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए आप चित्रों का भी उपयोग कर सकते हैं (चित्र 1)।

चित्र 1 अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों की पहचान में बच्चें की सहायता करने के लिए चित्रों का उपयोग।

किसी सहयोगी के साथ अपनी द्विभाषी कहानी या कविता का अभ्यास करें। उनके फीडबैक पर ध्यान दें और कहानी में अंग्रेज़ी शब्दों के उपयोग में सुधार के लिए इसमें परिवर्तन करें।

इसके बाद अपनी कक्षा में इसे करके देखें। क्या वे इन अंग्रेज़ी शब्दों को समझते है? क्या उन्हें इस कहानी में मज़ा आता है?

2 सरल कहानियों का उपयोग करना

अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों को कम संख्या में प्रस्तुत करने से, अंग्रेज़ी के उपयोग में आपके विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी। आगे आने वाले केस स्टडी में, शिक्षिका अपनी कक्षा को एक पूरी कहानी अंग्रेज़ी में सुनाती है। जब आप पढ़ते हैं, तो इस विधि के लाभों और संभावित जोखिमों के बारे में सोचें।

केस स्टडी 1: अमीना एक परिचित कहानी को अंग्रेज़ी में सुनाती हैं

अमीना मध्यप्रदेश के एक ग्रामीण विद्यालय में छात्र शिक्षिका है, जहाँ कोई अंग्रेज़ी भाषा के साइनबोर्ड या समुदाय में अखबार नहीं हैं, और कोई अंग्रेज़ी नहीं बोलता।

मैंने भाषा की पाठ्यपुस्तक से 'The Thirsty Crow' की कहानी ली। मुझे और मेरे विद्यार्थियों को यह कहानी बहुत अच्छी तरह मालूम थी। मैंने अंग्रेज़ी में इस कहानी का बहुत सरल संस्करण लिखा। मैंने घर में अपने पति को कहानी का यह सरल संस्करण सुनाकर इसका अभ्यास किया। मैंने तब तक इसका अभ्यास किया, जब तक कि मुझे अपने विद्यार्थियों को यह अंग्रेज़ी भाषा के संस्मरण सुनाने लायक आत्मविश्वास महसूस नहीं हो गया। मैंने कहानी सुनाने के साथ उपयोग करने के लिए कुछ हावभावों का भी अभ्यास किया।

मैंने कक्षा एक के विद्यार्थियों को यह कहानी हावभावों और इशारों तथा मेरी आवाज़ के साथ इस तरह सुनाई, ताकि यथासंभव मैं अपनी बात का मतलब समझा सकूँ। वे इस कहानी को पहले से जानते थे, लेकिन वे इसे सिर्फ हिन्दी में जानते थे।

मेरी कहानी के दौरान बच्चे बिना कुछ बोले या कोई भावनाएं दिखाए बिना बैठे रहे। मुझे विश्वास है कि वे कुछ भी समझ नहीं सके। अंत में मैंने छात्रों से हिन्दी में पूछाः 'मैंने आपको कौन–सी कहानी सुनाई?' मुझे आश्चर्य हुआ कि बच्चें इस कहानी को अच्छी तरह पहचान गए थे, और फिर वे इसे अपने शब्दों में मराठी में सुनाने लगे!

मुझे अहसास हुआ कि बच्चे बोले गए सभी अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों को नहीं समझ सके थे, लेकिन वे बहुत सारे अनुमान अच्छी तरह लगाने में सक्षम थे। चूँकि मैंने क्रिया और हावभावों का उपयोग किया था, इसलिए वे जानते थे कि मैं कहानी सुना रही हूँ और उन्होंने अनुमान लगाया कि इस कहानी से वे जानते थे। मैंने बोर्ड पर कहानी के मुख्य अंग्रेज़ी शब्द लिखेः 'crow', 'drink', 'water', 'stones', 'pot' और 'thirsty'। मैंने ये शब्द पढ़े और विद्यार्थियों ने इन्हें मेरे पीछे दोहराया। मैंने उन्हें उन शब्दों के चित्र बनाने और उनके नाम लिखने को कहा।

अब मैं अंग्रेज़ी में कोई कहानी सुनाने से पहले, मुख्य शब्दों को बोलकर बोर्ड पर लिखती हूँ। कभी–कभी मैं कहानी के लिए चित्र भी तैयार करती हूँ (चित्र 2)।

चित्र 2 एक कहानी सुनाने के लिए चित्रों का उपयोग करना।

मुझे अहसास है कि इस विधि की व्यवस्थित रूप से तैयारी करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन मैनें पाया कि यह सिर्फ बच्चों के लिए ही उपयोगी नहीं है, इससे मेरा खुद का भी अंग्रेज़ी के बारे में आत्मविश्वास धीरे–धीरे बढ़ रहा है। साथ ही, कहानी सुनाना से मुझे कक्षा का प्रबंध करने में भी मदद मिली है।

विचार कीजिए

- अमीना ने महसूस किया कि जितना वह समझती थी, उससे उनके विद्यार्थियों को ज्यादा अंग्रेज़ी आती है। क्या आपको लगता है कि आपके विद्यार्थियों के मामले में भी यह बात सही है? आप इसका पता कैसे लगाएँगे?

गतिविधि 3: किसी कहानी का अभ्यास करना

लघु कथा को अंग्रेज़ी भाषा में पढ़ें। इसे एक से ज्यादा बार पढ़ें। आप जिन शब्दों के बारे में नहीं जानते, उन्हें अंडरलाइन करें या उन पर गोला लगाएँ, और फिर उन्हें शब्दकोश में ढूँढें। इसे अकेले में या परिवार के किसी सदस्य के सामने ऊँची आवाज़ में पढ़ें।

> 'The Moon and His Two Wives'
>
> Did you know that the Moon has two wives?
>
> One is an excellent cook. When the Moon visits her, she makes him many, many delicious plates of food. She cooks and he eats. She cooks and he eats. She cooks and he eats. And he gets fatter and fatter until he is entirely round and he can't eat any more.
>
> When he can't eat any more, he goes off to see his other wife. She is an excellent storyteller. And when he visits her she tells him many, many exciting stories. Day and

> night, night and day, he sits and listens. And he is so busy listening that he forgets to eat. So he gets thinner and thinner until he is just a tiny crescent.
>
> Then he gets hungry, and so he goes to see his cook-wife again.
>
> जब आप कहानी को कई बार पढ़ लेते हैं, तो अगली बार इसे बिना पढ़े, ऊँची आवाज़ में बोलने की कोशिश करें।
>
> क्या आप कुछ शब्दों के लिए कोई हावभाव जोड़ सकते हैं? इस कहानी को पढ़े बिना, विद्यालय में या घर पर किसी और को यह कहानी सुनाने की कोशिश करें।

विचार कीजिए

- यह कहानी भाषा और प्राकृतिक संसार के बारे में क्या बताती है?

इस बहुत छोटी–सी कहानी ने कुछ रोचक शब्दावली, जैसे 'excellent', 'delicious' और 'exciting' प्रस्तुत की। इसने अंतरिक्ष विज्ञान का एक शब्द भी प्रस्तुत कियाः क्रेसन्ट (crescent)। इसमें दो विपरीत अर्थ वाले शब्द भी आएः मोटा और पतला (fat and thin)। इस कहानी में दोहरावपूर्ण वाक्यांश हैं, जैसे 'day and night, night and day', 'fatter and fatter', and 'thinner and thinner'। आप इन विचारों का उपयोग भाषा को जानने के लिए प्रारंभिक बिंदुओं के रूप में कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अन्य विरोधी शब्दों जैसे 'bigger' और 'smaller' के बारे में सोच सकते हैं। आप समान अर्थ वाले शब्दों के बारे में सोच सकते हैं, जैसे 'excellent', 'outstanding' या 'first-rate'।

पारंपरिक कहानियों में अक्सर स्त्री–पुरुषों के बारे में रूढ़िबद्ध होती है, जैसे 'The Moon and His Two Friends' में पति और पत्नी की भूमिका। आप अपने छात्रों से इस बारे में कैसे बात करेंगे? इस कहानी को कम रुढ़िवादी बनाने के तरीकों के बारे में सोचें। उदाहरण के लिए, ऐसा भी कहा जा सकता है कि चाँद ने अपनी पत्नी के लिए भोजन बनाया और खुद का ही बनाया हुआ भोजन इतना अधिक खा लिया कि वह मोटा हो गया। या चाँद की दो पत्नियों के बजाय उसके दो दोस्त थे।

बेशक इस बात का एक वैज्ञानिक कारण है कि चाँद का आकार क्यों बदलता है। क्या आपको लगता है कि कहानी 'The Moon and His Two Friends' के कारण विद्यार्थियों के मन में कुछ गलत धारणाएँ विकसित हो सकती हैं? क्या आप यह कहानी सुनाने के साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान की अवधारणाओं के बारे में भी बताएँगे? आप विद्यार्थियों से इस बारे में बात कर सकते हैं कि दुनिया के बारे में समझाने के वैज्ञानिक तरीके और हमारे आस–पास की दुनिया के बारे में समझाने के पारंपरिक तरीके में अंतर होता है। आप इस अवसर का उपयोग करके छात्रों से यह भी पूछ सकते हैं कि क्या उनके समुदाय में इस कहानी के अलग अलग संस्करण हैं, या आप उनसे उनके समुदाय की ऐसी कहानियाँ सुनाने को कह सकते हैं, जिनमें वास्तविक विश्व को समझाने की कोशिश की गई हो। कहानी सुनाते समय उन्हें अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ऐसी अन्य पारंपरिक कहानियों के बारे में सोचें, जो आपको मालूम हैं। क्या उनमें रोचक शब्द और भाषा के पैटर्न हैं? क्या वे समस्याओं को रुढ़िवादी और वैज्ञानिक गलतफहमियों में प्रस्तुत करते हैं?

3 कक्षा में कहानी सुनाना

अब इस गतिविधि का प्रयास करें।

गतिविधि 4: सरल अंग्रेज़ी में एक कहानी सुनाएँ

एक बहुत छोटी–सी ऐसी कहानी चुनें, जिसे आपके बच्चे पहले से जानते हैं। यह कोई ऐसी कहानी हो सकती है, जो सबको मालूम है, जीवन से या पाठ्यपुस्तक से। यदि कहानी में कोई शब्द या वाक्यांश बार–बार दोहराए जाते हैं, तो इससे मदद मिलती है क्योंकि इससे आपको और बच्चों को अभ्यास करने का ज्यादा मौका मिलता है।

इस कहानी का एक बहुत सरल अंग्रेज़ी भाषा के संस्करण तैयार करें। छात्रों को कहानी सुनाने से पहले, अपने घर में इसका अभ्यास करें या किसी साथी शिक्षक के साथ अभ्यास करें।

आप कहानी की मुख्य शब्दावली के लिए शब्द कार्डों का उपयोग कर सकते हैं या इन शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं।

अब संसाधन 1 में पाठ योजना पढ़ें। इसे अपनी कक्षा की आवश्यकता, बच्चों की ज़रुरत और आपके स्वयं के पेशेवर विकास के अनुसार अनुकूलित करें।

बच्चों को धीरे–धीरे यह कहानी सुनाएँ। बोलते समय कहानी की नकल करने के लिए चित्रों या हावभावों का उपयोग करें। बच्चों को आपके शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने दें।

कहानी बताने के बाद, बच्चों से कहें कि वे कहानी सुनाने का अभ्यास करें। यदि आपकी कक्षा में कोई ऐसे छात्र हैं, जिन्हें सुनने में कोई समस्या होती है, तो अन्य छात्रों को उन्हें कहानी इशारों से बताने दें।

सत्र को मज़ेदार बनाएँ। आपको कहानी सुनाने के साथ कोई भाषा अभ्यास या लेखन अभ्यास जोड़ने की आवश्यकता नहीं है।

कहानी सुनाने वाले सत्र के बाद, प्रत्येक बच्चे के लिए निम्नलिखित मापदंडों का उपयोग करके संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

- ध्यान से सुनते है
- सहभागिता दिखती है (टिप्पणियाँ करना, प्रश्न पूछना)
- कहानी में कुछ अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करने में सक्षम है
- कहानी को आंशिक रूप से अंग्रेज़ी भाषा में सुनाने में सक्षम है
- कहानी अंग्रेज़ी भाषा में सुनाने में सक्षम है।

आप पूरे वर्ष भर बच्चों के छोटे समूहों के साथ ऐसा कर सकते हैं।

गतिविधि 5: कक्षा में कहानी सुनाने के लिए तैयारी करना

एक शिक्षक कक्षा में पाठ को उल्लेखित किये बिना कहानी सुनाते हैं।

कक्षा को एक साथ इकट्ठा करने या बच्चों को कहानी सुनने के लिए तैयार करने के लिए, आप कहानी का समय बताने वाली घंटी बजा सकते हैं या कहानी का समय बताने के लिए ड्रम बजा सकते है। आप एक तुकबंदी सुना सकते हैं या 'If You're Happy and You Know It' का एक संस्करण गा सकते हैं:

If you want to hear a story, clap your hands!
If you want to hear a story, clap your hands!
If you want to hear a story, if you want to hear a story,
If you want to hear a story, clap your hands!

अपनी कक्षा में कहानी सुनाना के लिए इन अंग्रेज़ी वाक्यांशों का अभ्यास और उपयोग करें:

- 'It's story time!'
- 'Sit down, everyone.'
- 'Are you ready?'
- 'Is everyone ready to listen?'
- 'Are you ready to listen?'
- 'Listen to me.'
- 'Who is listening?'

- 'Repeat after me …'
- 'Say it with me …'
- 'Let's say together …'/'Say it with me …'
- 'Now you say it.'
- 'You are good listeners!'
- 'You are good storytellers!'

यदि आप ऐसी दिनचर्या निर्धारित करते हैं, तो कहानी सुनाना के लिए ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षा और/या एक से अधिक ग्रेड वाली कक्षा का प्रबंधन सरल हो जाता है और बच्चे आपके साथ जुड़कर अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकते हैं।

आपकी कक्षा में कहानियों की संभावना को बढ़ाने के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 2, 'कहानी सुनाना, गीत और भूमिका अदा करना' देखें।

वीडियोः कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक

4 सारांश

इस इकाई में आपकी कक्षा के बच्चों को कहानी सुनाने के माध्यम से अंग्रेज़ी सिखाने और उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। कहानियों के द्वारा, हम एक परिचित सन्दर्भ में नई भाषा का उपयोग शुरू कर सकते हैं।

कक्षा में, कहानी सुनाना और ऊँची आवाज़ में बोलकर कहानियां पढ़ना भाषा सिखाने के मुख्य तत्व हैं। कहानियां बनाना, याद करना और दोहराना शिक्षकों के साथ–साथ बच्चों के लिए भी सीखने की एक प्रक्रिया है। एक रोचक और जीवंत तरीके से कहानी सुनाने की क्षमता शिक्षक के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। बेशक एक अच्छी कहानी मनोरंजक होती है, लेकिन साथ ही यह महत्वपूर्ण अवधारणाएं, दृष्टिकोण और भाषा कौशल सीखने की ओर बच्चों का ध्यान भी आकर्षित करती है। कहानियां सुनना और सुनाना एक आनंददायक गतिविधि है, जो एक बच्चों और शिक्षकों को एक साझा अनुभव के लिए साथ लाती है।

इस विषय पर अन्य प्रारम्भिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैंः

- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *साझा पठन*
- *पाठ की योजना तैयार करना*
- *पठन को विकसित करना और उसकी मानिटरिंग करना*
- *पठन परिवेश को बढ़ावा देना।*

संसाधन

संसाधन 1ः कहानी सुनाने के लिए पाठ योजना

अपनी कक्षा के लिए इस योजना को अनुकूलित करें।

यहाँ कुछ मुद्दे हैं, जिन पर आपको कहानी चुनते समय और इसे सुनाने की योजना बनाते समय विचार करना चाहिए।

कोई ऐसी कहानी चुनें, जिसे आप और आपके बच्चे हिन्दी में या उनकी स्थानीय भाषा में अच्छी तरह जानते हैं। यह किसी पुस्तक से भी हो सकती है, लेकिन आपको पुस्तक के बिना यह कहानी बोलकर सुनानी होगी। यह कहानी आपकी पाठ्यपुस्तक के किसी विषय से जुड़ी हो सकती है या यह किसी स्थानीय त्यौहार अथवा सामुदायिक आयोजन से जुड़ी हो सकती है। यह कहानी एक सामान्य तरीके से बच्चों के अनुभवों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, या यह विज्ञान, इतिहास या भूगोल जैसे किसी विशिष्ट विषय में उनका ज्ञान विकसित करने वाली हो सकती है। संभव है कि इस कहानी में कोई ऐसा नैतिक संदेश हो, जिसे सीखना आपको बच्चों के लिए महत्वपूर्ण लगता हो। संभव है कि आप कोई पारंपरिक कथा चुनेंगे। यह कहानी आपकी कक्षा के लिए उपयुक्त क्यों है?

- कहानी की लंबाई पर विचार करें। क्या इसे थोड़े–से समय में सुनाया जा सकता है?
- कहानी की जटिलता पर विचार करें। इसमें उपयोग किए गए शब्द और वाक्यांश परिचित हैं या अपरिचित?

- कहानी में कहाँ आप रुककर बच्चों को आपके साथ शामिल होने या आपके पीछे दोहराने को कह सकते हैं?
- इस बात पर विचार करें कि क्या इस कहानी में हाशिए पर मौजूद समूह का दृष्टिकोण समाहित है। क्या इस कहानी के कारण कोई बच्चा खुद को उपेक्षित या शर्मिंदा महसूस करेगा?
- इस बारे में सोचें कि आपके पास वे कौन–से साधन या चित्र हैं या बनाने की आवश्यकता है, जिससे कहानी को बच्चों के लिए अधिक जीवंत बनाने में बच्चों को मदद मिल सके। उदाहरण के लिए, क्या आपको किसी हैट, झाडू या लैंप के चित्रों की ज़रुरत पड़ेगी? या आप वास्तविक वस्तुओं का उपयोग करेंगे?

तैयारी

- एक ऐसी कहानी चुनें, जिसे आप अच्छी तरह जानते हैं।
- इस कहानी का एक बहुत सरल अंग्रेज़ी भाषा के संस्करण तैयार करें एवं उस कहानी के मुख्य शब्दों का अंग्रेजी में अनुवाद करें।
- यह कहानी सुनाने का अभ्यास करें, ताकि आप इसमें आत्मविश्वास महसूस करें।
- मुख्य शब्द और वाक्यांश चुनें। ऐसे शब्द और वाक्यांश चुनें, जो कहानी के लिए महत्वपूर्ण हैं और कहानी में बार–बार आते हैं, ताकि बच्चों को उन्हें सुनने और उनका अभ्यास करने के अवसर एक से ज्यादा बार मिलें। इन शब्दों को यादगार और सरल बनाएं, ताकि बच्चों को उन्हें सीखने में मज़ा आए।
- अंग्रेज़ी भाषा के मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को वर्ड कार्ड पर लिखें।
- वर्ड कार्ड से मेल खाने वाले चित्र बनाएँ (ये चित्र स्वयं बनाएँ या किसी पत्रिका से काट लें)। अथवा हैट, झाडू या गमले जैसी वस्तुओं का उपयोग करें।
- इन वर्ड कार्ड और चित्रों या वस्तुओं का उपयोग करके कहानी सुनाने का अभ्यास करें।
- कहानी में ऐसे पल ढूँढें, जहाँ आप रुककर बच्चों से आपके पीछे दोहराने को कह सकते हैं या आपके साथ मिलकर वे वाक्यांश दोहरा सकते हैं।
- यह तय करें कि आप किस तरह बच्चों को कहानी सुनने के लिए तैयार करेंगे (लय, गीत, ड्रम, घंटी या अन्य विधि)।

इस पाठ में

- बच्चों को एक कहानी के लिए तैयार करें, ताकि वे सभी इसे सुनें (कोई घंटी बजाएँ, ड्रम बजाएँ, ताली बजाएँ)।
- उन्हें बताएँ कि वे यह कहानी अंग्रेज़ी में सुनेंगे और आपके साथ अंग्रेज़ी का अभ्यास करेंगे।
- कहानी सुनाएँ। धीरे–धीरे बोलें। हावभावों और चेहरे की भावनाओं का उपयोग करें। वर्ड कार्ड, चित्र या वस्तुएँ दिखाएँ। बच्चों को इसे दोहराने और इसमें जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंग्रेज़ी में दोहरावपूर्ण शब्दों या वाक्यांशों का मिलान चित्रों या वस्तुओं के साथ करके इनका अभ्यास करें।

कहानी के बाद

- अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों को दीवार पर रखें, ताकि बच्चे उन्हें पढ़ना और अभ्यास करना जारी रख सकें।
- बच्चों को वह कहानी अंग्रेज़ी में फिर से सुनाने के लिए प्रेरित करें।
- जब आप फिर से यह कहानी सुनाते हैं, तो बच्चों से प्रश्न पूछें, जैसे 'अब इसके बाद क्या हुआ था?', 'यह घटना कहाँ हुई थी?' या 'वह किसने किया था?' इसे बच्चों की समझ का मूल्यांकन करने के अवसर के रूप में उपयोग करें।

संसाधन 2: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक

बच्चों उस समय सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जबकि वे शिक्षण के अनुभव से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। दूसरों के साथ परस्पर संवाद और अपने विचारों को साझा करने से आपके बच्चों अपनी समझ की गहराई बढ़ा सकते हैं। कथावाचन, गीत, भूमिका अदा करना और नाटक कुछ ऐसी विधियाँ हैं, जिनका उपयोग पाठ्यक्रम के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है, जिनमें गणित और विज्ञान भी शामिल हैं।

कहानी सुनाना

कहानियां हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाने में मदद करती हैं। कई पारंपरिक कहानियाँ पीढ़ी–दर–पीढ़ी चली आ रही हैं। वे हमें बचपन में सुनाई गई थीं और इनसे उस समाज के कुछ नियमों और मूल्यों के बारे में हमें पता चलता है, जिसमें हमारा जन्म हुआ है।

कहानियां कक्षा में बहुत शक्तिशाली माध्यम होती हैं: वे:

- रोचक, रोमांचक और प्रेरक हो सकती हैं
- हमें दैनिक जीवन से कल्पना की दुनिया में ले जा सकती हैं

- चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं
- नए विचारों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित कर सकती हैं
- भावनाओं को समझने में मदद करती हैं
- ऐसे समस्याओं को सन्दर्भ में समझने में मदद करती हैं, जो वास्तविकता से अलग होता है और इस कारण इसे समझने में कम समस्या होती है।

जब आप कहानियाँ सुनाते हैं, तो बच्चों से आँखों का संपर्क अवश्य बनाएँ। यदि आप अलग –अलग पात्रों के लिए अलग अलग आवाज़ों का उपयोग करेंगे और उदाहरण के लिए उपयुक्त मौकों पर फुसफुसाहट के साथ या ऊँची आवाज़ में बोलकर अपनी आवाज़ का स्तर और लहजा बदलेंगे, तो उन्हें इसमें मज़ा आएगा। कहानी की प्रमुख घटनाओं का अभ्यास कीजिए ताकि आप इसे पुस्तक के बिना स्वयं अपने शब्दों में मौखिक रूप से सुना सकें। आप कहानी को जीवंत बनाने के लिए कक्षा में वस्तुएं या कपड़े ला सकते हैं। जब आप किसी कहानी का परिचय देते हैं, तो इसका उद्देश्य अवश्य बताएँ और बच्चों को इस बारे में सचेत करें कि वे क्या सीख सकते हैं। आपको उन्हें मुख्य शब्दावली का परिचय भी देना पड़ सकता है या कहानी को रेखांकित करने वाली अवधारणाओं के बारे में भी बताना पड़ सकता है। आप विद्यालय में किसी पारंपरिक कहानी सुनाने को भी ला सकते हैं, लेकिन यह अवश्य सुनिश्चित करें कि कहानी सुनाना और बच्चों, दोनों को अच्छी तरह मालूम हो कि क्या सीखना है।

कहानी सुनाना सुनने के अलावा भी बच्चों की बहुत सी गतिविधियों का संकेत दे सकता है। बच्चों से कहानी में उल्लेख किए गए सभी रंगों को नोट करने, चित्र बनाने, मुख्य घटनाओं को याद करने, संवाद तैयार करने या अंत बदलने को कहा जा सकता है। उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और चित्र या वस्तुएं देकर किसी अन्य नज़रिए से कहानी दोबारा सुनाने को कहा जा सकता है। किसी कहानी का विश्लेषण करके, बच्चों से कहा जा सकता है कि वे कल्पना और तथ्यों को पहचानें, घटनाओं की वैज्ञानिक व्याख्या पर विवाद करें या कोई गणितीय समस्याएँ हल करें।

बच्चों से अपनी स्वयं की कहानियां तैयार करने को कहना एक बहुत शक्तिशाली साधन है। यदि आप उन्हें कार्य को सीमित रखने के लिए संरचना, सामग्री और भाषा देते हैं, तो छात्र आपको अपनी खुद की कहानियाँ बता सकते हैं, यहाँ तक कि गणित और विज्ञान के बहुत कठिन विचारों के बारे में भी। वास्तव में वे विचारों के साथ खेल रहे हैं, अर्थ समझ रहे हैं और अपनी कहानियों के माध्यम से संक्षेप में अवधारणाओं को जान रहे हैं।

गीत

कक्षा में गीत और संगीत के उपयोग से अलग – अलग बच्चों को योगदान करने, सफल होने और उन्नति करने का अवसर मिल सकता है। एक साथ मिलकर गाने से जुड़ाव बनता है और इससे सभी बच्चे खुद को इसमें शामिल महसूस करते हैं क्योंकि यहाँ ध्यान किसी एक व्यक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित नहीं होता। गीतों के सुर और लय के कारण उन्हें याद रखना सरल होता है और इससे भाषा व बोलने से विकास में मदद मिलती है।

संभव है कि आप खुद के आत्मविश्वासी गायक न हों, लेकिन निश्चित रूप से आपकी कक्षा में कुछ अच्छे गायक होंगे, जिन्हें आप मदद के लिए बुला सकते हैं। आप गीत को जीवंत बनाने और संदेश व्यक्त करने में सहायता के लिए गतिविधि और हावभाव का उपयोग कर सकते हैं। आप उन गीतों का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको मालूम हैं और अपने उद्देश्य के अनुसार उनके शब्दों में बदलाव कर सकते हैं। गीत जानकारी को याद करने और याद रखने का भी एक उपयोगी तरीका हैं – यहाँ तक कि सूत्रों और सूचियों को भी एक गीत या कविता के रूप में रखा जा सकता है। आपके बच्चे रिवीजन के उद्देश्य से गीत या भजन बनाने योग्य रचनात्मक भी हो सकते हैं।

भूमिका गतिविधि (Roleplay)

भूमिका की गतिविधि में बच्चे कोई भूमिका निभाते हैं और किसी छोटे परिदृश्य के दौरान, वे उस भूमिका में बोलते और अभिनय करते हैं, तथा वे जिस पात्र की भूमिका निभा रहे हैं, उसके व्यवहार और उद्देश्यों को अपना लेते हैं। इसके लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं दी जाती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि छात्रों को शिक्षक द्वारा पर्याप्त जानकारी दी जाए, ताकि वे उस भूमिका को समझ सकें। भूमिका निभाने वाले बच्चों को अपने विचारों और भावनाओं की त्वरित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भूमिका निभाने के कई लाभ हैं क्योंकि:

- इसमें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचार करके अन्य लोगों की भावनाओं के प्रति समझ विकसित की जाती है।
- इससे निर्णय लेने का कौशल विकसित होता है।
- यह बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है और सभी छात्रों को योगदान करने का अवसर मिलता है।
- यह विचारों के उच्चतर स्तर को प्रोत्साहित करती है।

भूमिका निभाने से छोटे बच्चों को अलग अलग सामाजिक स्थितियों में बात करने का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, उदाहरण के लिए,किसी स्टोर में खरीददारी करने, किसी स्थानीय स्मारक पर पर्यटकों को रास्ता दिखाने या एक टिकट खरीदने का अभिनय करना। आप कुछ वस्तुओं और चिह्नों के द्वारा सरल दृश्य तैयार कर सकते हैं, जैसे 'कैफे', 'डॉक्टर की सर्जरी' या 'गैरेज'। अपने बच्चों से

पूछें, 'यहाँ कौन काम करता है?', 'वे क्या कहते हैं?' और 'हम उनसे क्या पूछते हैं?' और उन्हें इन क्षेत्रों की भूमिकाओं में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें, तथा उनकी भाषा के उपयोग का अवलोकन करें।

नाटक करने से पुराने विद्यार्थियों के जीवन के कौशलों का विकास हो सकता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में हो सकता है कि आप इस बात का पता लगा रहे हों कि टकराव को किस प्रकार से खत्म किया जाए। इसके बजाय अपने विद्यालय या समुदाय से कोई वास्तविक घटना लें, आप इसी तरह के, लेकिन इससे भिन्न, किसी परिदृश्य का वर्णन कर सकते हैं, जिसमें यही समस्या उजागर होती हो। छात्रों को भूमिकाएँ आवंटित करें या उन्हें अपनी भूमिकाएँ खुद चुनने को कहें। आप उन्हें योजना बनाने का समय दे सकते हैं या उनसे तुरंत भूमिका अदा करने को कह सकते हैं। भूमिका अदा करने की प्रस्तुति पूरी कक्षा को दी जा सकती है या बच्चे छोटे समूहों में भी कार्य कर सकते हैं, ताकि किसी एक समूह पर ध्यान केंद्रित न रहे। ध्यान दें कि इस गतिविधि का उद्देश्य भूमिका निभाने का अनुभव लेना और इसका अर्थ समझाना है; आप उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन या बॉलीवुड के अभिनय पुरस्कारों के लिए अभिनेता नहीं ढूँढ रहे हैं।

भूमिका अदा करने का उपयोग विज्ञान और गणित में भी करना संभव है। छात्र अणुओं के व्यवहार की नकल कर सकते हैं, और एक–दूसरे से संपर्क के दौरान कणों की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं या उनके व्यवहार को बदलकर ऊष्मा या प्रकाश के प्रभाव को दर्शा सकते हैं। गणित में, छात्र कोणों या आकृतियों की भूमिका निभाकर उनके गुणों और संयोजनों को खोज सकते हैं।

नाटक

कक्षा में नाटक का उपयोग अधिकतर बच्चों को प्रेरित करने के लिए एक अच्छी रणनीति है। नाटक से कौशल और आत्मविश्वास विकसित होता है, और इसका उपयोग इस बात के मूल्यांकन के लिए भी किया जा सकता है कि आपके बच्चे किसी विषय के बारे में क्या समझते हैं। संदेश किस प्रकार से मस्तिष्क से कानों, आंखों, नाक, हाथों और मुंह तक जाते हैं और वहां से फिर वापस आते हैं, यह दिखाने के लिए टेलीफोनों की भूमिका निभाकर मस्तिष्क के काम करने के तरीके के बारे में बच्चों की समझ को बताने वाला एक नाटक। या संख्याओं को घटाने के तरीके को भूल जाने के भीषण परिणामों को बताने वाला एक संक्षिप्त, मज़ेदार नाटक छोटे छात्रों के मन में सही विधियाँ जमा सकता है।

नाटक अक्सर शेष कक्षा, विद्यालय या अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के सामने प्रदर्शन की ओर विकसित होता है। यह लक्ष्य विद्यार्थियों को इसकी पूर्ति के लिए काम करने का अवसर देगा और प्रेरित करेगा। नाटक तैयार करने की रचनात्मक प्रक्रिया में समूची कक्षा शामिल होनी चाहिए। यह जरूरी है कि आत्मविश्वास के अंतरों को ध्यान में रखा जाये। हर कोई अभिनेता हो यह ज़रूरी नहीं है; छात्र उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व से अधिक निकटता से जुड़े अन्य तरीकों (पोशाक का इंतजाम करना, वस्तुएँ लाना, स्टेज पर मदद करना) से भी योगदान कर सकते हैं।

इस बात पर विचार करना महत्वपूर्ण है कि आप सीखने में अपने बच्चों की मदद करने के लिए नाटक का उपयोग क्यों कर रहे हैं। क्या यह भाषा के विकास के लिए है (उदा. प्रश्न पूछना और उनके उत्तर देना), विषय के ज्ञान के लिए है (उदा. पर्यावरण पर खनन के प्रभाव), या विशिष्ट कौशल विकसित करने के लिए है (उदा. टीम वर्क)? इस बात का ध्यान रखें कि प्रदर्शन के लक्ष्य में कहीं नाटक का सीखने का उद्देश्य खो न जाए।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T. (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy.* Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami, U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read.* London: Routledge.

Goswami, U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages' in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling.* Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy.* London: Routledge.

अभिस्वीकृतियॉ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।